Shri R.S. Sharma ji, Reverend General Secretary, DAV College Managing Committee and a father figure to DAV fraternity has left this mortal world on 16th November, 2020. The void left by profoundly gentle, soft spoken, a literary luminary, a great educationist and an able administrator Sh. RS Sharma Ji can not be filled. He was an epitome of nobility, an embodiment of the principles of Arya Samaj, who led a life of high ethical values. In the intellectual capacity, he influenced the lives of thousands of students as a great teacher, guide and mentor and left an indelible mark in the educational arena. His spectacular contribution for the growth and glory of DAV organization in various capacities for over 7 decades will be remembered with great respect for all times to come. His legacy will continue to inspire and guide all DAVians.

The LMC, Principal and staff members of DAV, BRS Nagar, Ludhiana join hands to pray to God almighty for granting eternal peace to the departed noble soul. Our heartfelt condolences to the bereaved family to bear the irreparable loss.

OM Shanti, Shanti, Shanti.

'अनुकरणीय वंदनीय जीवन के सच्चे प्रतीक स्वर्गीय श्री आर एस शर्मा जी को हमारा शत-शत नमन'

हमारे लिए यह अत्यंत शोक का विषय है कि श्री राधे श्याम शर्मा जी (महा सचिव, डी ए वी प्रबंध कर्तृ समिति, नई दिल्ली) दिनांक 16 नवंबर 2020 को इस नश्वर जगत को छोड़कर परमपिता परमेश्वर के चरणों में लीन हो गए ।उनकी पावन आत्मा को हमारा शत- शत नमन।

महान शिक्षाविद, कुशल कार्यकर्ता, कर्मयोगी श्री आर. एस. शर्मा जी का जन्म फिरोजपुर में हुआ। डी.ए.वी. परिवार के साथ उनकी कर्म-यात्रा सन् 1955 में तब आरंभ हुई, जब आप डी ए वी कॉलेज अमृतसर में बतौर अंग्रेज़ी प्राध्यापक नियुक्त हुए। शांत, शालीन और गंभीर व्यक्तित्व के धनी श्री आर एस शर्मा जी ने अपनी दार्शनिक विचारधारा और पढ़ाने के निराले अंदाज़ से अपने छात्रों पर ऐसा जादू किया कि विभिन्न पदों पर सुशोभित उनके छात्र आज भी उन्हें याद करते हैं और उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। श्री आर एस शर्मा जी सन् 1987 में आप डी ए वी कॉलेज जालंधर से प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुए।

डीएवी की विभिन्न संस्थाओं में विभिन्न पदों पर रहकर सच्ची मेहनत, ईमानदारी और लगन से अपनी सेवाएं देने वाले इस कर्मठ योद्धा ने 1995 में डी ए वी प्रबंध कर्तृ समिति, नई दिल्ली के महासचिव के रूप में कार्यभार संभाला और डीएवी संस्था के वट वृक्ष को अपने अथक प्रयासों और नित्य नूतन सोच से सींचा। सच में, श्री आर एस शर्मा जी एक नाम नहीं बल्कि अपने आप में एक संस्था हैं।

महर्षि दयानंद जी, महात्मा आनंद स्वामी जी, महात्मा हंसराज जी के सच्चे वारिस, उनके पद चिह्नों पर चलने वाले आर्यपुत्र श्री आर एस शर्मा जी के जीवन-सिद्धांतों और नित्य नूतन प्रयासों को डी ए वी जगत कभी नहीं भुला पाएगा।

आप थे संस्कारों के वटवृक्ष,

आप थे धैर्य व गंभीरता के हिमालय

आप थे सिंधु ज्ञान और धर्म के,

आप थे सदैव योगी कर्म के।

डीएवी के मजबूत स्तंभ श्री आर एस शर्मा जी का हम सबके बीच में से यूं चले जाना, संपूर्ण आर्य-जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है, किंतु आप की शिक्षाएं, आपके आदर्श सदैव ही हम सबका जीवन-पथ आलोकित करते रहेंगे। हमारा उनके बताए रास्ते पर चलना ही उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगा।

डी ए वी संस्था की प्रगति व विकास में श्री आर एस शर्मा जी के 70 वर्ष के अमूल्य योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका नाम सदैव डी ए वी के इतिहास में अमर रहेगा। डी ए वी, बी आर एस नगर, लुधियाना की स्थानीय प्रबंधक कमेटी, स्कूल प्राचार्या, स्कूल के सभी सदस्य ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे स्वर्गीय श्री आर एस शर्मा जी की पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। उनके गृहस्थ-परिवार व डी ए वी परिवार को इस असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

ओम् शांति शांति शांति....